Roll No. ……..

BASL–102

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

कला में स्नातक (बीए 12/16) संस्कृत

प्रथम वर्ष परीक्षा, 2017

समय **: 3** घंटा पूर्णांक **: 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लाकों की ससन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

(क) व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोहुं समुज्जृम्भते,

छेन्तुं वज्रमणीञ्छिरीकुसुम प्रान्तेन संनह्यते।

माधुर्यं मधुविन्दुना रचयितुं क्षीराराम्बुधेरीहते,

नेतुं वाञ्छति यः खलान् पथि सतां सूक्तै सुधास्यन्दिभिः॥

(ख) जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं
मानोन्नतिं दिशति पापमया करोति।
चेतः प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्त्तिं,
सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्॥

(ग) परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्॥

(घ) यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः,
स पण्डितः स श्रुतवान् गुणज्ञः।
स एव वक्ता स च दर्शनीयः,
सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ते॥

2. नीति साहित्य (चाणक्य नीति, विदुर नीति आदि) में नीति-शतकम् का स्थान प्रतिपादित कीजिए।
3. 'नीतिशतकम्' के आधार पर श्रेष्ठजनों के आचरण पर प्रकाश डालिए।
4. संस्कृत साहित्य में कथा साहित्य की उपयोगिता पर विस्तार से लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्ञान और चित्त की प्रसन्नता के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

2. मूषक-परिव्राजक कथा का सारांश लिखिए।
3. लीलावती-वणिक् पुत्र कथा का सारांश लिखते हुए प्राप्त शिक्षा पर प्रकाश डालिए।
4. संस्कृत में सन्धि के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
5. 'गम्' धातु के लृट् लकार के रूप लिखिए।
6. 'गुरु' शब्द के रूप सभी विभक्तियों व वचनों में लिखिए।
7. उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित स्वरों का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।
8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए—
   (क) करण कारक
   (ख) वृद्धि संज्ञा

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए—

1. तीन शतकों के अतिरिक्त भर्तृहरि की रचना है—
   (क) शतपथ ब्राह्मण
   (ख) वाक्यपदीय
   (ग) शुक्रनीति
   (घ) महाभाष्य

2. हितोपदेश कितने परिच्छेदों में विभक्त है ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) सात (घ) आठ

3. कर्त्ता का इष्टतम् कारक क्या है ?

(क) कर्म (ख) करण

(ग) सम्प्रदान (घ) अधिकरण

4. "एके सत्पुरुषाः परार्थ घटका ..... ॥" श्लोक में मनुष्य के कितने भेद बताए गये हैं ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) छः

5. 'पठथः' रूप किस लकार का है ?

(क) लट् (ख) लङ्

(ग) लृट् (घ) लोट्

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखकर दीजिए—

6. इकोयणचि सूत्र से यण् सन्धि होती है। (सत्य / असत्य)
7. अधिकरण कारक में तृतीया विभक्ति होती है। (सत्य / असत्य)
8. 'वृद्धिरेचि' से 'वृद्धि' संज्ञा होती है। (सत्य / असत्य)
9. 'ते' रूप प्रथमा विभक्ति का द्विवचन है। (सत्य / असत्य)
10. 'रमेश' शब्द में गुण सन्धि है। (सत्य / असत्य)